भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 934
गुरुवार, 27 जुलाई, 2023/5 श्रावण, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन क्षेत्र में वृद्धि

934 श्री कार्तिकेय शर्माः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हाल के वर्षों में पर्यटन क्षेत्र में देखी गई तेजी से वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने कौन से विशिष्ट उपाय और नीतियां लागू की हैं, और इन प्रयासों ने किस तरह से इस क्षेत्र के और समग्र अर्थव्यवस्था के सम्पूर्ण विकास में योगदान दिया है;

(ख) क्या सरकार पर्यटकों के आगमन में वृद्धि, राजस्व सृजन और इस क्षेत्र में रोजगार सृजन संबंधी सांख्यिकीय आँकड़ों सहित अपने नवाचारों और प्रयासों के पर्यटन की वृद्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन प्रस्तुत कर सकती है; और

(ग) इस वृद्धि को बनाए रखने तथा भविष्य में इसमें और तेजी लाने के लिए सरकार की अतिरिक्त योजनाएं कौन-कौन सी हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग) : पर्यटन मंत्रालय ने पिछले कुछ वर्षों में देश में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में पर्यटन के विकास हेतु अनेक कदम उठाए हैं जिनका विवरण नीचे दिया गया है:

i. पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास का कार्य 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) संबंधी राष्ट्रीय मिशन' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' योजनाओं के अंतर्गत किया जाता है ।

ii. पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक एवं गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है ।

iii. आतिथ्य सहित घरेलू सवंर्धन एवं प्रचार (डीपीपीएच) योजना के अंतर्गत मेलों/महोत्सवों तथा पर्यटन संबंधी समारोहों के आयोजन के लिए भी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों को वित्तीय सहायता दी गई है ।

iv. नागरिकों को अपने देश की यात्रा हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से देखो अपना देश पहल की शुरूआत की गई ।

v. अन्य निश उत्पादों में निरोगता पर्यटन, कलीनरी पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, ईको पर्यटन आदि जैसे थीमेटिक पर्यटन का संवर्धन किया जाता है ताकि अन्य क्षेत्रों में भी पर्यटन के दायरे का विस्तार किया जा सके ।

vi. ई-वीजा की पांच उप-श्रेणियों यथा ई-पर्यटक वीजा, ई-बिजनेस वीजा, ई-मेडिकल वीजा, ई-मेडिकल अटेंडेंट वीजा और ई-कॉन्फ्रेंस वीजा की सुविधा 167 देशों के नागरिकों के लिए मुहैया कराना ।

vii. ई-वीजा का और अधिक उदारीकरण किया गया है और वीजा शुल्क में उल्लेखनीय कटौती की गई है ।

viii. पर्यटक गंतव्य के रूप में भारत की प्रतिस्पर्धातमकता में वृद्धि करने के लिए 1,001 रु. से 7,500 रु. प्रति रात्रि के टैरिफ वाले होटल के कमरों पर जीएसटी को घटाकर 12% और 7,501 रु. से अधिक के टैरिफ वाले होटल के कमरों पर जीएसटी को 18% कर दिया गया है ।

ix. पर्यटन मंत्रालय की सिफारिश पर नागर विमानन मंत्रालय द्वारा आरसीएस उड़ान योजना के अंतर्गत चिह्नित एयरलाइनों को 59 पर्यटन रूट सौंपे गए हैं जिनके लिए पर्यटन मंत्रालय वीजीएफ (व्यवहार्यता अंतराल वित्तपोषण) के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करता है । पर्यटक गंतव्यों तक हवाई कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए इनमें से 53 रूटों पर प्रचालन शुरू किया गया है ।

x. पर्यटन मंत्रालय अखिल भारतीय अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम नामक एक डिजिटल पहल चला रहा है जिसका लक्ष्य देश भर में सुप्रशिक्षित एवं पेशेवर व्यावसायिक पर्यटक सुविधाप्रदाताओं/गाइडों का एक समूह तैयार करने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों का सृजन करने के उद्देश्य से एक ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्म बनाना है ।

xi. बेहतर मानक सेवा मुहैया कराने के लिए श्रम-शक्ति के प्रशिक्षण और उन्नयन हेतु 'सेवा प्रदाताओं हेतु क्षमता निर्माण योजना के तहत कार्यक्रमों का आयोजन ।

वर्ष 2020 से 2022 के दौरान भारत में विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) निम्नलिखित है:

क्र. सं.	वर्ष	भारत में एफटीए (लाख में)
1.	2020	27.4

2.	2021	15.3
3.	2022#	61.9

#: अनंतिम, स्रोत: आप्रवासन ब्यूरो

पर्यटन मंत्रालय द्वारा पर्यटन के माध्यम से सृजित राजस्व से संबंधित डाटा तैयार नहीं किया जाता है । तथापि वर्ष 2020 से 2022 के दौरान पर्यटन के माध्यम से विदेशी मुद्रा आय (एफईई) का विवरण नीचे दिया गया है :

क्र. सं.	वर्ष	पर्यटन के माध्यम से एफईई (करोड़ रु. में)
1.	2020	50,136
2.	2021	65,070
3.	2022#	1,34,543

#: अनंतिम अनुमान

मध्यवर्ती वर्षों के लिए तीसरे पर्यटन सैटेलाइट अकाउंट (टीएसए) के अनुरूप आकलन के अनुसार नामत: वर्ष 2019-20 से 2021-22 के लिए देश के रोजगार में पर्यटन का योगदान नीचे दिया गया है:

	2019-20	2020-21	2021-22
रोजगार में हिस्सा (% में)	13.50	12.91	12.66
प्रत्यक्ष (%)	5.89	5.63	5.52
अप्रतयक्ष (%)	7.61	7.28	7.14
पर्यटन से प्रत्यक्ष+अप्रत्यक्ष रोजगार (मिलियन में)	69.44	68.07	70.04

नोट: आवधिक श्रम शक्ति सर्वेक्षण के विभिन्न दौरों से प्राप्त एनसीएईआर गणना ।

*****